सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 88 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 3 मई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

बिजनेस खड़ा करना कोई रॉकेट साइंस नहीं है, यह एक महान विचार का होना और उस पर ईमानदारी के साथ अंत तक लगे रहना है।
-रिचर्ड ब्रैनसन

पहलवानों को मनाने जंतर-मंतर... 8 | पवार का ऐलान, बनेगा नया सियासी... 3 | जम्मू से डोगरा संस्कृति और पहचान... 7

पवार के एलान के बाद 'कमान' पर घमासान

शुरू हुआ इस्तीफों का दौर, महासचिव जितेंद्र आव्हाड ने किया रिजाइन

» राकांपा अध्यक्ष की कुर्सी के लिए माथापच्ची सुले व प्रफुल्ल पटेल के नाम पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शरद पवार ने एनसीपी अध्यक्ष पद से हटने का एलान किया है। इसके बाद से कार्यकर्ताओं ने इस्तीफा देना शुरू कर दिया है। महासचिव जितेंद्र अव्हाड ने पद छोड़ दिया है। वहीं अब अगले एनसीपी प्रमुख को लेकर भी अटकलें तेज हो गई हैं। उधर अन्य दलों की भी प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है। कांग्रेस के नेता नाना पटोले ने कहा गठबंधन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

वहीं पार्टी प्रवक्ता उमेश पाटिल ने बताया, मैं पवार साहब से मिलकर आया हूं। उन्होंने कहा कि सोच-समझकर फैसला लिया गया है। लीडरशिप और अध्यक्ष दोनों अलग-अलग चीजें हैं। जानकारी ये भी आ रही है कि अध्यक्ष पद पर परिवार का कोई सदस्य नहीं होगा।

विधायकों से मिले अजित पवार

एनसीपी नेता अजित पवार भी यशवंतराव चव्हाण सेंटर पहुंच गए हैं। बैठक में आने से पहले उन्होंने आज कुछ विधायकों से मुलाकात भी की थी। उधर नया एनसीपी प्रमुख चुनने वाली कमेटी में प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे, केके शर्मा, पीसी चाको, अजीत पवार, जयंत पाटिल, सुप्रिया सुले, छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल, अनिल देशमुख, राजेश टोपे, जितेंद्र आव्हाड़, हसन मुशरिफ, धनंजय मुंडे, जयदेव गायकवाड़, फौजिया खान, धीरज शर्मा, सोनिया दुहान शामिल हैं। एनसीपी प्रमुख शरद पवार के साथ एनसीपी दफ्तर में उनकी बेटी सुप्रिया सुले भी मौजूद रही। इसके अलावा अगला एनसीपी चीफ चुनने के लिए बनाई गई कमेटी में शामिल नेता भी यहां पहुंचे।

पवार की बेटी हो सकती हैं अगली अध्यक्ष!

2006 से सांसद पवार की बेटी सुप्रिया सुले पार्टी की अगली अध्यक्ष हो सकती है। हालांकि पवार के बाद नंबर 2 और एनसीपी की तरफ से महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार के हाथ में पार्टी की बागडोर आने के कयास लग रहे हैं। अजित महाराष्ट्र के दो बार के डिप्टी सीएम रह चुके हैं और संगठन समेत राज्य की राजनीति में गहरी पकड़ रखते हैं। ज्ञात हो कि अजित पवार ने 2019 में शरद पवार के खिलाफ जाकर बीजेपी के साथ गठबंधन कर लिया था।

अजित पवार को देनी चाहिए राज्य की जिम्मेदारी : भुजबल

एनसीपी नेता छगन भुजबल का बड़ा बयान सामने आया है। उनका कहना है कि अगर पवार साहब अपना फैसला वापस नहीं लेते हैं तो मेरी राय में राज्य की जिम्मेदारी अजित पवार को और केंद्र की जिम्मेदारी सुप्रिया सुले को देनी चाहिए।

पूरे घटनाक्रम पर हमारी नजर : संजय राउत

उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि शरद पवार का इस्तीफा देश की राजनीति के लिए बड़ा झटका है लेकिन अगर उन्होंने ऐसा फैसला लिया तो निश्चित रूप से महाराष्ट्र और देश में खलबली मच जाएगी। हम तय करेंगे कि आने वाले दिनों में क्या होगा। पूरे घटनाक्रम पर हमारी नजर है।

'द केरल स्टोरी' के खिलाफ याचिका सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने किया इनकार

» केरल उच्च न्यायालय जाने की अनुमति दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से फिल्म द केरल स्टोरी के मेकर्स को राहत मिली है। फिल्म द केरल स्टोरी के खिलाफ याचिका सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है और उन्हें केरल उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की अनुमति दी है। दरअसल, फिल्म द केरल स्टोरी को लेकर विवाद लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

अदा शर्मा अभिनीत फिल्म 5 मई को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म के ट्रेलर में दावा किया था कि 32,000 हिंदू महिलाओं का कथित तौर पर ब्रेनवॉश करके उनका

धर्मांतरण किया गया और इसके बाद आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट में भर्ती कर अफगानिस्तान और सीरिया जैसी जगहों पर भेज दिया गया था। बता दें कि यह फिल्म सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित है।

हर बात पर नहीं हो सकती सीधे सुनवाई : सीजेआई

मुख्य न्यायाधीश ने कहा- हर बात पर सीधे सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकती। याचिकाकर्ता संबंधित हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर सकते हैं। बता दें कि पत्रकार कुर्बान अली और जमीयत उलेमा ए हिंद ने याचिकाएं दाखिल की थी। फिल्म 5 मई को रिलीज होगी, जिस पर रोक लगाने के लिए ये याचिका दायर की गई थी।

सिसोदिया पहुंचे दिल्ली हाई कोर्ट की चौखट पर

» अंतरिम जमानत के लिए याचिका दाखिल, अदालत ने सीबीआई से मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आबकारी नीति घोटाला से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में अंतरिम जमानत की मांग को लेकर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने सीबीआई को नोटिस जारी कर बृहस्पतिवार तक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा।

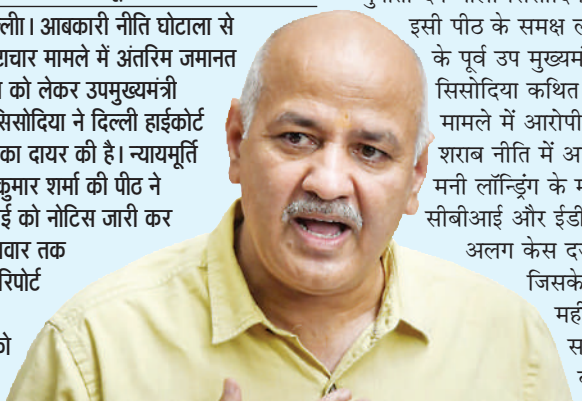

सिसोदिया ने पत्नी की बीमारी के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग है।

इस मामले में जमानत देने से इनकार करने के निचली अदालत के निर्णय को चुनौती देने वाली सिसोदिया की याचिका इसी पीठ के समक्ष लंबित है। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया कथित शराब घोटाला मामले में आरोपी हैं। उन पर शराब नीति में अनियमितता और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में क्रमश: सीबीआई और ईडी ने अलग-अलग केस दर्ज किए हैं जिसके चलते वह दो महीने से ज्यादा समय से तिहाड़ में बंद हैं।

निकाय-चुनाव : भाजपा-सपा में कड़ी टक्कर

कांग्रेस व बसपा ने भी ताल ठोंकी, छोटे दल भी दिखाएंगे दम

» ढाई लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी रहेंगे तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव के पहले चरण में बृहस्पतिवार को दस नगर निगमों में मतदान होगा। नगर निकाय चुनाव को लोकसभा चुनाव का पूर्वाभ्यास माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि निकाय चुनाव के नतीजों का असर लोकसभा चुनाव तक रहेगा। निकाय चुनाव में अधिकतर जगह भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला है जबकि कहीं-कहीं बसपा और कांग्रेस के प्रत्याशी त्रिकोणीय संघर्ष बना रहे हैं।

भाजपा के सामने 2017 का रिकॉर्ड बरकरार रखते हुए इन सभी पर कब्जा बरकरार रखने की चुनौती है। वहीं, समाजवादी पार्टी, बसपा और कांग्रेस के सामने अस्तित्व बचाने की चुनौती है। 2017 निकाय चुनाव में 16 नगर निगम में से अलीगढ़ और मेरठ नगर निगम को छोड़कर शेष सभी 14 नगर निगम में भाजपा ने जीत दर्ज की थी। इस बार निकाय चुनाव में शाहजहांपुर नगर निगम में पहली बार चुनाव हो रहा है। पहले चरण के चुनाव में 4 मई को सहारनपुर, मुरादाबाद, आगरा, झांसी, प्रयागराज, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, मथुरा-वृंदावन और फिरोजाबाद नगर निगम में चुनाव होना है। भाजपा ने मुरादाबाद में निवर्तमान महापौर विनोद अग्रवाल को फिर प्रत्याशी बनाया है जबकि शेष नौ जिलों में नए चेहरों को मौका दिया है। नगर निकाय चुनाव के पहले चरण के मतदान के लिए डीजीपी मुख्यालय ने पुख्ता सुरक्षा बंदोबस्त किए हैं। बृहस्पतिवार को होने वाली मतदान की प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस मुख्यालय के चुनाव प्रकोष्ठ ने प्रदेश के समस्त जनपदों के मतदान केंद्रों की संवेदनशीलता का आकलन करते हुए अति संवेदनशील प्लस तथा अति संवेदनशील मतदान केंद्रों एवं मतदेय स्थलों का चिन्हीकरण करते हुए पुलिस प्रबंध किए है।

4

मई को सहारनपुर, मुरादाबाद, आगरा, झांसी, प्रयागराज, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, मथुरा-वृंदावन और फिरोजाबाद नगर निगम में चुनाव होना है।

प्रथम चरण के मतदान केंद्र

कुल मतदान केंद्र	-	7372
मतदेय स्थल	-	23,614
अति संवेदनशील प्लस	-	720
अति संवेदनशील	-	1913
कुल संवेदनशील	-	2633
सामान्य मतदान केंद्र	-	4721
संवेदनशीलता का प्रतिशत	-	35.80

मतदान कल, वोट देने जरूर जाएं

लखनऊ। लखनऊ के जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने मंगलवार शाम छह बजे प्रचार बंद होते ही मतदान को लेकर जरूरी निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन सभी मतदाता अपने वाहनों से मतदान केंद्र तक जा सकते हैं। लेकिन, मतदान केंद्र की 200 मीटर की परिधि में प्रवेश वर्जित रहेगा। मतदेय स्थल पर मोबाइल ले जाने पर पाबंदी रहेगी। मतदान

» अपने वाहन से जा सकेंगे मतदान केंद्र, मोबाइल पर पाबंदी

केंद्र पर मोबाइल जमा कराने की कोई व्यवस्था नहीं होगी। घूंघट वाली व पर्दानशीन महिलाओं को अपनी पहचान मतदान पार्टी में शामिल महिला कर्मी अथवा सरकारी महिला कर्मचारी व महिला पुलिस कांस्टेबल से करानी होगी।

15 प्रकार के विकल्पों को दिखाकर डालें वोट

मतदान केवल एपिक कार्ड अथवा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी 15 प्रकार के विकल्पों के माध्यम से ही कर सकेंगे। यदि कोई व्यक्ति बार-बार अपने वाहन से मतदान स्थल पर आता है तो उसे किसी पार्टी विशेष का प्रचारक समझ कर उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने कहा कि प्रत्याशी अब घर-घर जाकर जनसंपर्क कर सकते हैं, प्रचार के लिए अब लाउडस्पीकर आदि की अनुमति नहीं होगी। दो मई शाम 6 बजे से चार मई शाम 6 बजे तक लाउडस्पीकर पर पाबंदी रहेगी। वाहनों की अनुमति भी खत्म हो गई है। प्रत्याशियों, उनके एजेंट या उनके कार्यकर्ताओं के लिए चार मई का अलग से वाहन पास जारी किया जाएगा।

अखिलेश अपने विकास कार्यों के दम से देंगे चुनौती

2017 में सपा को एक भी नगर निगम में जीत नहीं मिली थी। सपा के लिए नगर निगम में अस्तित्व बचाने का मौका है। सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पहले चरण के अंतिम दौर में चुनाव प्रचार में शामिल हुए। अखिलेश ने गोरखपुर, लखनऊ और सहारनपुर नगर निगम में सपा प्रत्याशी के समर्थन में मेट्रो यात्रा, रोड शो और सभा की। सपा के अधिकतर प्रत्याशी खुद के बूते ही चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, कुछ सीटों पर प्रदेश पदाधिकारी प्रचार पर गए हैं।

भाजपा ने झोंकी ताकत

भाजपा सरकार और संगठन ने भी पूरी ताकत झोंकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 24 अप्रैल से 2 मई तक 21 जिलों का दौरा किया है। पहले चरण के सभी दस नगर निगमों में चुनावी सभाएं की है। लखनऊ, गोरखपुर और वाराणसी में सीएम ने दो से तीन रैलियां की हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी अधिकतर जिलों में चुनावी दौरा कर पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में मत व समर्थन मांगा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी प्रतिदिन दो से तीन जिलों का चुनावी दौरा किया।

दूसरे दलों में भी लगाई सेंध

भाजपा ने निकाय चुनाव में जीत के लिए सपा, कांग्रेस और बसपा के नेताओं को पार्टी में शामिल कराने का सिलसिला भी शुरू किया। प्रयागराज में विधानसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी रहे रहीस चंद्र शुक्ला को भाजपा में शामिल कराया गया। वहीं लखनऊ में कांग्रेस के दोनों अध्यक्ष के साथ अधिकांश कांग्रेसी नेताओं के हाथ में भी कमल थमाया। सपा के पूर्व प्रदेश सचिव मुन्ना त्रिपाठी, फर्रुखाबाद में सपा के दिग्गज नेता नरेंद्र सिंह यादव, उनकी बेटी जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव सहित अन्य नेताओं को भी भाजपा मे शामिल कराया गया। विभिन्न जिलों में जिला स्तर पर भी विपक्षी दलों के नेताओं को भाजपा में शामिल कराया जा रहा है।

मायावती ने नहीं की चुनावी सभा

बसपा सुप्रीमो मायावती ने चुनाव प्रचार से दूरी बनाए रखी है। मायावती ने पहले चरण में सभी 10 नगर निगम में प्रत्याशी उतारे हैं। लेकिन किसी भी प्रत्याशी के समर्थन में वह चुनावी सभा करने नहीं गई है। उनके भतीजे आकाश भी प्रचार पर नहीं निकले हैं। बसपा के प्रत्याशी मंडल समन्वयकों के समन्वय से ही चुनाव लड़ रहे हैं।

राजनीति से प्रेरित है ईडी में मेरा नाम आने की बात : राघव

» मीडिया को चेतावनी दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने दिल्ली सरकार की आबकारी नीति से संबंधित ईडी की जांच में अपना नाम आने की खबर को सरासर गलत और राजनीति से प्रेरित करार दिया। उन्होंने कहा कि ईडी या किसी भी एजेंसी की जांच में उनका नाम आरोपी, संदिग्ध व्यक्ति या गवाह के तौर पर नहीं है। उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए यह झूठी खबर फैलाई जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि गलत खबर फैलाने बंद किया जाए।

राघव चड्ढा ने कहा कि सबसे पहले मैं यह स्पष्ट कर देने चाहता हूं कि जो भी खबर न्यूज चैनल्स पर दिखाई जा रही है, वह पूरी तरह से गलत है। स्टोरी पूरी तरह से मोटिवेटेड है। शराब घोटाल मामले में ईडी की रिपोर्ट में मेरा नाम कहीं भी आरोपी या संदिग्ध के तौर पर कहीं भी नहीं है। बतौर गवाह के तौर पर भी मेरा नाम नहीं है। लेकिन सुबह से देशभर में प्रचार किया जा रहा है कि मेरा नाम ईडी ने एक अभियुक्त के तौर पर चार्जशीट में जोड़ा है। यह पूरी तरह से गलत है। मैं एक स्टेटमेंट रखकर आपके सामने अपनी बात कहना चाहूंगा। मैं मीडिया से अपील करना चाहता हूं कि मेरी स्थिति को साफ करें। नहीं तो मैं कानून कार्रवाई करूंगा। मेरा नाम कहीं पर भी शराब घोटाला मामले में नहीं है।

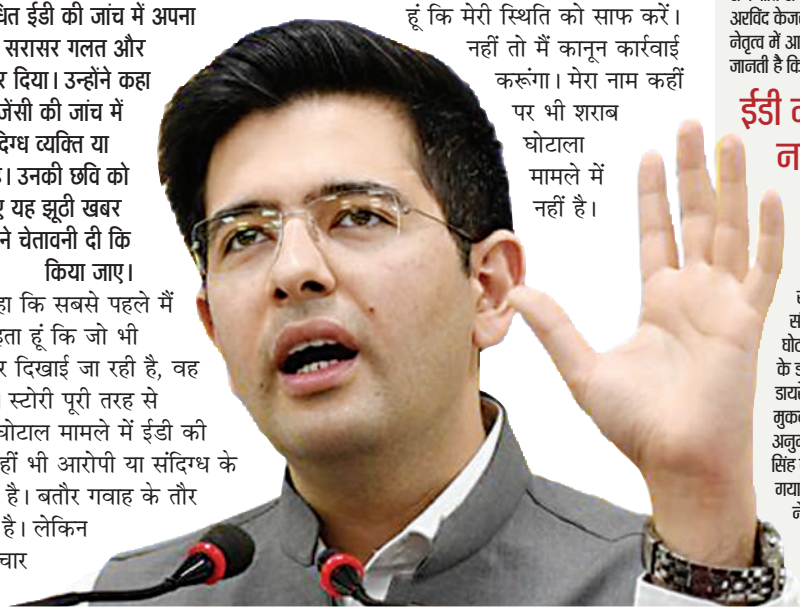

आम आदमी पार्टी और केजरीवाल को खत्म करना मकसद

उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से चल रही जांच पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। इसका मकसद केवल आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को खत्म करना है, क्योंकि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी लगातार बढ़ती जा रही है और भाजपा जानती है कि उसका कोई काल है, तो वो सिर्फ अरविंद केजरीवाल हैं।

ईडी ने कहा गलती से लिख गया नाम, संजय को भेजी चिट्ठी

नई दिल्ली। शराब घोटाले में नाम लेने पर आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह को केंद्रीय वित्त सचिव को चिट्ठी लिखी है। संजय सिंह ने कथित शराब घोटाले में नाम लेने पर ईडी के डायरेक्टर और असिस्टेंट डायरेक्टर के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांगी अनुमति है। मामला बढ़ने पर के बाद ईडी ने आप नेता संजय सिंह को चिट्ठी लिखकर कहा कि गलती से उनका नाम लिख गया थ वो इसके लिए खेद जताते हैं। इससे पहले संजय सिंह ने लिखा कि डायरेक्टर संजय कुमार मिश्रा और असिस्टेंट डायरेक्टर जोगिंदर सिंह ने मेरी छवि को नुकसान पहुंचाया है। बिना किसी आधार के मेरा नाम लिया गया है।

पवार का ऐलान, बनेगा नया सियासी आयाम

2024 क चुनाव पर पड़ेगा इस फैसले का असर

- राकांपा के अध्यक्ष पद से देंगे इस्तीफा
- महाराष्ट्र के राजनीतिक जगत में कोहराम
- सामाजिक जीवन से रिटायर नहीं होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र से लेकर देश राजनीति में अपने रणनीतिक कौशल से सबको प्रभावित करने वाले क्षत्रप नेता शरद पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का मन बना लिया है। ये फैसला उन्होंने क्यों लिया वो तो वही जाने पर रणनीतिकारों को मानना है कि ये फैसला उनके और पार्टी के लिए सही है। ऐसा पहली बार नहीं है जबकि उन्होंने सबको चौंकाया है। कांग्रेस छोड़कर अपनी खुद की पार्टी बनाने की घोषणा करके भी उन्होंने राजनीतिक गलियारे में कोहराम मचा दिया था। इसके अलावा अपने बयानों से भी वो हमेश सुर्खियों में रहते है। तेवर इतने कड़े की इंद्रा गांधी से लेकर सोनिया गांधी तक के खिलाफ बगावत कर चुके हैं।

जैसे अभी हाल में उन्होंने अडानी मामले में कांग्रेस द्वारा जेपीसी की मांग को बकवास बताकर बीजेपी को खुशी से झूमा दिय था। एक्सपर्ट का मानना अध्यक्षी छोड़ने का फैसला पवार ने ऐसे नही लिया है इस फैसले से वह एक तीर से कई निशान लगा रहे है। वह जहां पार्टी चल रहे अंर्तकलह को शांत करना चाहते हैं इसी तरह 2024 लोकसभा चुनाव में अपना दशा व दिशा तैयार करने का इरादा भी जता रहे हैं। शरद पवार ने अपने इस्तीफे में कई भावनात्मक बातें भी कही हैं। पवार ने कुछ दिनों पहले इसको लेकर इशारा भी किया था। पवार ने यह एलान पार्टी की बैठक के दौरान किया। उनके एलान करते ही पार्टी के नेताओं ने इस फैसले को मानने से इनकार कर दिया। सभी नेता शरद पवार को मनाने में भी जुट गए हैं। सवाल ये है कि आखिर शरद पवार ने क्यों इस्तीफे का एलान किया? अब एनसीपी का नया मुखिया कौन होगा? अजित पवार और सुप्रिया सुले में कौन मारेगा बाजी? आइए जानते हैं... मेरे साथियो! मैं एनसीपी के अध्यक्ष का पद छोड़ रहा हूं, लेकिन सामाजिक जीवन से रिटायर नहीं हो रहा हूं। लगातार यात्रा मेरी जिंदगी का अटूट हिस्सा बन गया है। मैं पब्लिक मीटिंग और कार्यक्रमों में शामिल होता रहूंगा। मैं पुणे, बारामती, मुंबई, दिल्ली या भारत के किसी भी हिस्से में हूं, आप लोगों के लिए हमेशा की तरह उपलब्ध रहूंगा। लोगों की समस्याएं सुलझाने के लिए मैं हर वक्त काम करता रहूंगा। लोगों का प्यार और भरोसा मेरी सांसें हैं। जनता से मेरा कोई अलगाव नहीं हो रहा है। मैं आपके साथ था और आखिरी सांस तक रहूंगा। तो हम लोग मिलते रहेंगे। शुक्रिया। पवार ने आगे कहा, मुझे लंबे समय तक पार्टी के नेतृत्व का मौका मिला। मैंने अध्यक्ष पद की कई साल जिम्मेदारी निभाई। मैं चाहता हूं कि कोई और इस जिम्मेदारी को संभाले।

समर्थकों में दिखी निराशा

उनके समर्थकों ने निराशा व्यक्त की है। उनका कहना है कि पवार ने उन्हें कभी निराश नहीं किया, लेकिन आज कर दिया है। लोगों ने कहा कि कमेटी यहीं पर है, आप निर्णय लें। हम सभी को धक्का लगा है। महाराष्ट्र की जरूरत को ध्यान में रखें तो 60 साल तक आपने जिम्मेदारी निभाई लेकिन आज आपने यह अप्रिय निर्णय ले लिया।समर्थकों ने आगे कहा कि आप हमारे साथ हैं, लेकिन आपके बिना पार्टी नहीं चला पाएंगे। आप इस पर विचार करें। हमें लग रहा है कि ये पुस्तक विमोचन हुआ ही न होता तो ठीक रहता। आपने कभी किसी को नाराज नहीं किया, लेकिन आज आपने हम सभी को नाराज कर दिया।

पार्टी का काम चलता रहेगा , वे हमारे साथ : अजीत

एनसीपी चीफ शरद पवार के पार्टी प्रमुख के पद से इस्तीफे के एलान ने राज्य की सियासत में हंगामा मचा दिया है। ऐसे में कयास शुरू हो गए हैं कि शरद पवार ने अगर अपना फैसला नहीं बदला तो एनसीपी का अगला बॉस कौन होगा। इस बीच शरद पवार के भतीजे अजित पवार सहित अन्य नेताओं ने प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है। अजीत ने कहा कि शरद पवार ने इस्तीफे का कारण नहीं बताया है। ऐसे इस्तीफे का एलान सही नहीं है। पार्टी नेताओं की बैठक होगी। परिवार के सदस्य भी बैठक में हिस्सा लेंगे। इसके बाद पार्टी की मुख्य समिति इस्तीफे को लेकर फैसला करेगी। हम उम्मीद जताते हैं कि पवार अपने इस्तीफे पर राकांपा समिति के फैसले का पालन करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि पवार चाहते हैं कि नए नेतृत्व को मौका मिले। अजीत ने कहा कि पार्टी का काम ऐसे ही चलता रहेगा। शरद पवार का साथ हमारे संग है। उन्होंने कहा कि पवार साहिब ने पद छोड़ा है, पार्टी नहीं। वह हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

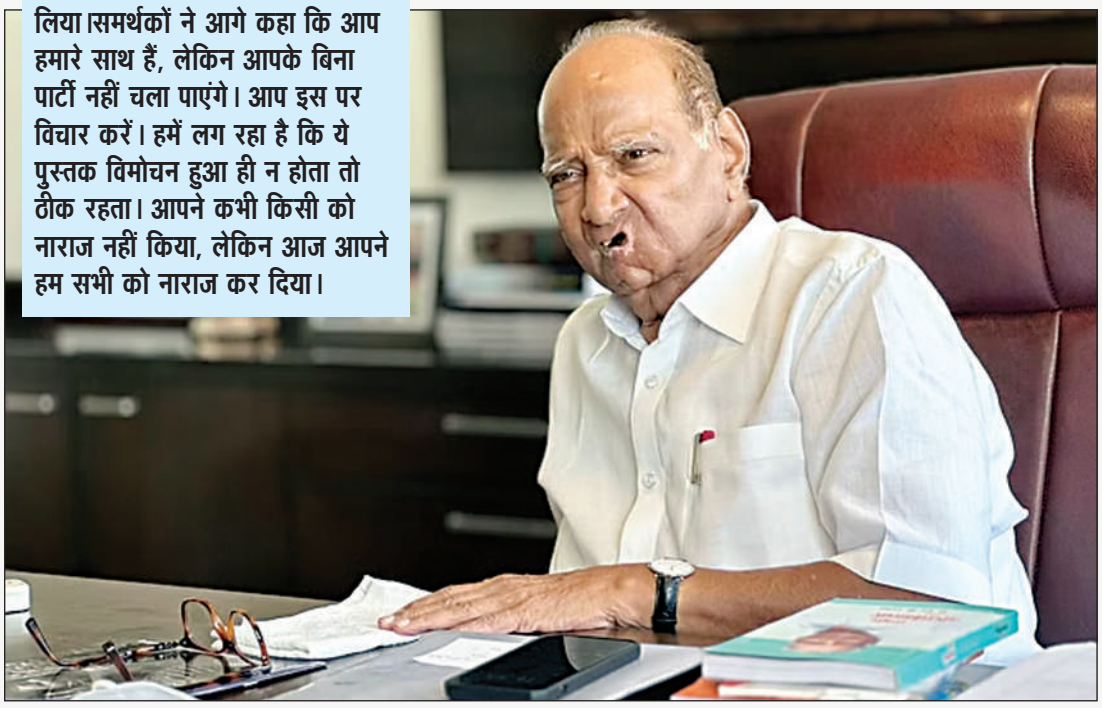

1999 में की राष्ट्रवादी कांग्रेस की स्थापना

1999 जून मध्य शरद पवार ने राष्ट्रवादी पक्ष की स्थापना की। 1999 के विधानसभा चुनाव में किसी भी एक पक्ष को बहुमत नहीं मिला। राष्ट्रवादी पक्ष और कांग्रेस पक्ष आपस में मिले और विलासराव देशमुख राज्य के मुख्यमंत्री बने। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद पवार का राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पक्ष केन्द्र में मनमोहन सिंग के नेतृत्व में यूपीए सरकार में शामिल हुआ।22 मई 2004 को शरद पवार ने देश के कृषी मंत्री का पद ग्रहण किया। 29 मई 2009 को उन्होंने कृषी , सार्वजनिक वितरण मंत्री की जबाबदारी संभाली। जुलै 2010 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का अध्यक्ष पद स्वीकारने के बाद पक्ष कार्य को अधिक समय देने की इच्छा मनमोहन सिंह को व्यक्त करते हुए अपना कार्यभार कम करवाया। क्रिकेट राजनीति के साथ ही क्रिकेट यह पवारजी का पसंदीदा क्षेत्र है। 29 नवंबर 2005 को वे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष नियुक्त हुए। 1 जुलाई 2010 को पवारजी ने आंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बोर्ड का पदभार ग्रहण किया। जगमोहन दालमिया के बाद वे दूसरे भारतीय है।

पवार के फैसले के पीछे का सच

महाराष्ट्र के राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं महाराष्ट्र की सियासत में ये बड़ा फैसला है। शरद पवार का नाम राज्य में काफी बड़ा है। इसके अलावा वह देश के भी बड़े नेता हैं। ऐसे में उनके एनसीपी अध्यक्ष पद छोड़ने का एलान करना बड़ा सियासी संदेश भी है। 2019 में ही पार्टी के कई नेता चाहते थे कि भाजपा और एनसीपी मिलकर सरकार बनाए। हालांकि, शरद पवार ने ऐसा नहीं किया। इसके बाद उनके भतीजे अजित पवार ने पार्टी के फैसले से अलग हटकर देवेंद्र फडणवीस के साथ मिलकर सरकार भी बना ली थी। तब अजित डिप्टी सीएम बने थे। हालांकि, एक दिन बाद ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद शरद पवार के कहने पर कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी ने मिलकर महाविकास अघाड़ी का गठन किया था। तब एनसीपी के कई नेताओं ने इसको लेकर नाराजगी जताई थी। हाल के दिनों में भी पार्टी के कई नेताओं ने भाजपा के साथ आने के लिए सलाह दी थी। ये भी संभव है कि पार्टी के अंदर उठ रहे विरोध और बार-बार भतीजे अजित पवार की बगावती सुर के बीच शरद पवार अपनी ताकत परखना चाहते हों। वह यह देखना चाहते हों कि आखिर जिस पार्टी को उन्होंने खड़ा किया था, आज उसमें उनके साथ कितने लोग खड़े हैं? इसका असर भी देखने को मिलने लगा है। बड़ी संख्या में एनसीपी के नेता उन्हें मनाने में जुट गए हैं। सभी एक स्वर में बोल रहे हैं कि वह पार्टी का अध्यक्ष बने रहें। कुछ ऐसा ही दो बार शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे ने भी किया था। बाला साहेब ठाकरे ने भी शिवसेना प्रमुख का पद दो बार छोड़ा था और बाद में पार्टी के नेताओं के आग्रह पर फिर से पद संभाल लिया था। एनसीपी पर प्रभुत्व को लेकर पवार के घर में ही लड़ाई चल रही है। एक तरफ शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले हैं तो दूसरी ओर उनके भतीजे अजित पवार। ऐसे में पार्टी में पॉवर को लेकर परिवार में घमासान है। संभव है कि शरद पवार अपने इस फैसले के जरिए परिवार के विवाद को खत्म करने की कोशिश कर रहे हों।

प्रफुल्ल पटेल भावुक दिखे

वहीं, प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि शरद पवार ने इस्तीफे की घोषणा करने से पहले किसी को नहीं बताया था। हमें उम्मीद है कि पवार अपने इस्तीफे पर फिर विचार करेंगे। साथ ही जयंत पाटिल ने कहा कि पवार के बिना जनता के पास कैसे जाएंगे। इतना कहते ही पाटिल रोने लगे।

पवार के बिना पार्टी नहीं चल पाएगी

सुनील तटकरे ने कहा कि पवार के बिना पार्टी नहीं चल पाएगी। जबकि छगन भुजबल ने शरद पवार से विनती की है कि शरद पवार अपना इस्तीफा वापस ले लें। साथ ही उन्होंने कहा कि आखिर निर्णय वही मान्य होगा, जो पवार लेंगे।

अगले अध्यक्ष पर संशय

अजित पवार : शरद पवार के भतीजे और महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार का नाम इसमें सबसे पहले है। अजित पार्टी प्रमुख के लिए सबसे बड़े दावेदार हैं। पार्टी में उनकी हुकूमत भी चलती है। पार्टी पर उनका काफी प्रभाव है। यही कारण है कि जहां शरद पवार खुद नहीं होते हैं, वहां अजित को भेजा जाता है। अजित ने पार्टी के फैसले के खिलाफ जाकर 2019 में देवेंद्र फडणवीस के साथ मिलकर शपथ ले ली थी। बगावत के बावजूद जब वापस अजित शरद पवार के साथ गए तो महाविकास अघाड़ी की सरकार में भी उन्हें ही डिप्टी सीएम बनाया गया। इसके बाद जब उद्धव ठाकरे की सरकार गिरी तो भी शरद पवार ने अजित को ही नेता प्रतिपक्ष बनाया। अजित के साथ सबसे बड़ी ताकत %पवार% नाम की है। अजित के साथ पवार शब्द जुड़ा हुआ है। ऐसे में संभव है कि पार्टी की बागडोर अजित पवार को ही मिल जाए।

सुप्रिया सुले : शरद पवार की बेटी और एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले अध्यक्ष पद की दूसरी सबसे बड़ी दावेदार हैं। सुप्रिया तेज तर्रार नेता हैं और बोलने में काफी माहिर हैं। उनकी वाक शैली से लोग उनके कायल हो जाते हैं। सुप्रिया ने राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान बना रखी है। ऐसे में संभव है कि पार्टी की कमान आगे सुप्रिया को ही मिल जाए।

कोई तीसरा : अगर अजित पवार और सुप्रिया सुले के बीच पारिवारिक लड़ाई जारी रहती है तो संभव है कि पार्टी की कमान शरद किसी अपने विश्वसनीय नेता को दे सकते हैं। इसके जरिए वह परिवारवाद के आरोपों को भी गलत साबित करने की कोशिश कर सकते हैं। जैसा की अभी कांग्रेस में भी हुआ है। कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खरगे को अध्यक्ष बनाया है। हालांकि, पार्टी की शक्ति अभी भी गांधी परिवार के पास ही है।

राजनीतिक सफर

1990 तक शरद पवार बारामती से 1967 में पहली बार के लिए महाराष्ट्र विधानसभा में प्रवेश किया अविभाजित कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व, यशवंतराव चव्हाण शरद पवार की राजनीतिक संरक्षक था। पवार ने कांग्रेस से दूर तोड़ विपक्ष जनता पार्टी के साथ गठबंधन सरकार 1978 में पहली बार के लिए एक समय था जब इंदिरा गांधी 1975 में अविश्वसनीय रूप से आपातकाल की उसे लागू करने के कारण अलोकप्रिय हो गया था पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने के फार्म। इस प्रोग्रेसिव डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार फरवरी, 1980 में केंद्र में इंदिरा गांधी के सत्ता में लौटने के बाद बर्खास्त कर दिया गया था। चुनाव कि बाद में, कांग्रेस पार्टी राज्य विधानसभा और ए.आर. में बहुमत जीता अंतुले, राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाल लिया है। पवार ने 1981 में कांग्रेस के प्रेसीडेंसी पदभार संभाल लिया है। पहली बार के लिए, वह बारामती संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 1984 में लोकसभा का चुनाव जीता। उन्होंने यह भी बारामती से मार्च 1985 के राज्य विधानसभा चुनाव जीता और थोड़ी देर के लिए राज्य की राजनीति में जारी पसंदीदा और लोकसभा से इस्तीफा दे दिया। इंडियन कांग्रेस (सोशलिस्ट) उनकी पार्टी राज्य विधानसभा में 288 के बाहर 54 सीटों जीता और वह विपक्ष के नेता बने। उनकी कांग्रेस के लिए लौटने उस समय शिवसेना के उदय के लिए एक कारण के रूप में उद्धृत किया गया है। जून 1988 में, भारत के प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी को तो वित्त मंत्री और शरद पवार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री सुधाकरराव चव्हाण के रूप में प्रतिष्ठापित केंद्रीय मंत्रिमंडल में निर्णय लिया गया कि मुख्यमंत्री के रूप में चव्हाण की जगह चुना, शरद पवार ने राज्य की राजनीति है, जो राज्य में कांग्रेस पार्टी के प्रभुत्व के लिए एक संभावित चुनौती थी में शिवसेना के उदय की जाँच का कार्य किया था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

वायुमंडल बदलाव का असर

बेमौसम बरसात होने का क्या कारण है? इसका कितना असर पड़ेगा? क्या आने वाले समय में जब बारिश का मौसम होगा तो क्या सूखा पड़ेगा? पृथ्वी पर पानी के तीन रूप हैं। भाप, तरल पानी और ठोस बर्फ। जब पानी गर्म होता है तो वह भाप बनकर या गैस बनकर हवा में ऊपर उठता है। जब ऐसी भाप बहुत अधिक मात्रा में ऊपर जमा होती जाती है तो वह बादलों का रूप ले लेती है। इस पूरी प्रक्रिया को वाष्पीकरण कहते हैं।

मई के महीने में मौसम अठखेलिया कर रहा है। कभी ठंडी हवा तो कभी बारिश हो रही है इससे मौसम के तापमान गिरावट आ रही हैं। मई वो समय है, जब हर साल लोग तपती गर्मी से बेहाल हो जाते थे। उमस और लू से लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता था, लेकिन इस बार माहौल कुछ अलग है। यूपी, दिल्ली एनसीआर से लेकर पंजाब, बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल तक में बारिश हो रही है। इसके चलते मौसम काफी खुशनुमा है। बेमौसम बरसात होने का क्या कारण है? इसका कितना असर पड़ेगा? क्या आने वाले समय में जब बारिश का मौसम होगा तो क्या सूखा पड़ेगा? पृथ्वी पर पानी के तीन रूप हैं। भाप, तरल पानी और ठोस बर्फ। जब पानी गर्म होता है तो वह भाप बनकर या गैस बनकर हवा में ऊपर उठता है। जब ऐसी भाप बहुत अधिक मात्रा में ऊपर जमा होती जाती है तो वह बादलों का रूप ले लेती है। इस पूरी प्रक्रिया को वाष्पीकरण कहते हैं। जब बादल ठंडे होते हैं तो गैसीय भाप तरल पानी में बदलने लगती है और ज्यादा ठंडक होने पर बर्फ में भी बदलने लगती है। वाष्प के सघन होने की प्रक्रिया को संघनन कहते हैं, लेकिन बारिश होने के लिए केवल यही काफी नहीं है।

पहले तरल बूंदें जमा होती हैं और बड़ी बूंदों में बदलती हैं। जब ये बूंदें भारी हो जाती हैं तब कहीं जा कर बारिश होती है। पानी के आसमान से नीचे आने की प्रक्रिया को वर्षण कहते है वर्षण के कई रूप होते हैं। यह बारिश, ओले गिरना, हिमपात आदि के रूप में हो सकता है। जब पानी तरल रूप में न गिर कर ठोस रूप में गिरता है तो उसे हिमपात कहेंगे। जब बारिश के साथ बर्फ के टुकड़े गिरते हैं तो उसे ओला कहते हैं। इसके अलावा कई जगह सर्दियों में पानी की छोटी छोटी बूंदें भी गिरती हैं जिन्हें हम ओस कहते हैं। बारिश हर जगह एकसाथ नहीं होती और हर जगह एक सी नहीं होती है। पृथ्वी पर बहुत सारी प्रक्रियाओं के चलते अलग-अलग स्थान पर अलग- अलग समय और तरह से बारिश होती है। भारत में मानसून की प्रक्रिया के तहत एक ही इलाके में एक से तीन चार महीने तक लगातार या रुक-रुक कर बारिश होती है। कई बार बेमौसम बारिश होती है जिसे स्थानीय वर्षा कहा जाता है। पश्चिमी विक्षोभ के रूप में चक्रवाती सर्कुलेशन निचले और ऊपरी क्षोभमंडल स्तरों में मध्य पाकिस्तान पर स्थित है। निचले क्षोभमंडल में दक्षिण पाकिस्तान और इससे सटे पश्चिमी राजस्थान के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। चक्रवाती हवाओं का एक क्षेत्र दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश और दूसरा दक्षिण छत्तीसगढ़ के ऊपर निचले क्षोभमंडल स्तर पर बना हुआ है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

श्रम की मानवीय गरिमा स्थापित करें

इंद्रजीत सिंह

नि:संदेह, जिस श्रम से पूंजी निर्मित होती है वह मजदूर का अतिरिक्त श्रम ही होता है। श्रम का वह हिस्सा जिसका भुगतान नहीं किया जाता। इसमें संघर्ष भी अंतर्निहित है। श्रम और पूंजी के उपरोक्त रिश्ते के अतीत में मई दिवस का इतिहास भी गुंथा हुआ है जिसे हर साल 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के तौर पर मनाया जाता है। मूल रूप से मई दिवस 1886 में अमेरिका के शिकागो में काम के 8 घंटे निर्धारित करने की मांग पर हुए श्रमिक आक्रोश के अभूतपूर्व विद्रोह के फलस्वरूप मनाया जाने लगा। जिसे कुचलने के लिए आठ श्रमिक नेताओं को फांसी दी गई थी। मई दिवस पर उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्रम की मानवीय गरिमा स्थापित किए जाने हेतु पूंजी द्वारा अत्यधिक मुनाफा निचोड़ने हेतु रचे जाने वाले कुचक्रों के खिलाफ अपनी एकता और भावी संघर्षों का संकल्प प्रकट किया जाता है। वे एक शोषण मुक्त समाज की कल्पना को साकार करने के लक्ष्य के प्रति संकल्प दोहराते हैं।

मई दिवस श्रमिक वर्गों की एकजुटता का ऐसा निराला पर्व है जिसमें धर्म, रंगभेद, इलाका, जाति, लिंग जैसी पहचान का कोई अर्थ नहीं है। यही कारक है जो दुनियाभर के श्रमिक तबकों को एक सूत्र में बांधे हुए है और वह है तमाम तरह के शोषण से मानव श्रम की मुक्ति व श्रम की गरिमा की बहाली के लिये संकल्पित संघर्ष की ऊर्जा का नवसंचार। आज यूरोप के विकसित देशों समेत सभी उपमहाद्वीपों में जबर्दस्त आक्रोश देखा जा सकता है। संकट का बोझ श्रमिकों पर शिफ्ट किए जाने से जीवनयापन महंगा होना और रोजगार के घटते हुए अवसरों ने स्थिति को विकट बनाया है। पेंशन प्रणाली में थोपे जा रहे कथित सुधारों के खिलाफ रेलवे, परिवहन, बैंक, उड्डयन, ऊर्जा, स्वास्थ्य, खनन आदि सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में हड़ताल और वर्क सस्पेंड आदि की आंदोलनात्मक कार्रवाई देखी जा सकती है। भारत में निजीकरण मध्य वर्गीय बैंक कर्मचारियों तक को राष्ट्रीय स्तर पर हड़तालें आदि करनी पड़ रही हैं। श्रम कानूनों में सुधार की आड़ में बुनियादी श्रम कानूनों को भी तिलांजलि देते हुए संसद द्वारा लेबर कोड थोपे गए हैं।

इनके अंतर्गत आठ घंटे का कार्य दिवस, औद्योगिक सुरक्षा, न्यूनतम वेतन की अदायगी, समान काम का समान वेतन और लगाने या हटाने संबंधी सेवा सुरक्षा नियमों के वैधानिक प्रावधान अब विलुप्त हो रहे हैं। यदि यही रुझान बढ़ेगा तो बंधुवा मजदूरी

अपने आप में सामान्य नियम नहीं बन जाएगी क्या? गत 5 अप्रैल को दिल्ली में तमाम क्षेत्रों के मजदूरों ने अभूतपूर्व एकता का जिस प्रकार परिचय दिया उससे गहराते असंतोष की ही पुष्टि होती है। ऊपर से भारत उन देशों में आता है जहां आर्थिक विषमता की खाई दुनियाभर में सबसे ज्यादा चौड़ी हुई है। भूमंडलीकरण के लगभग तीन दशकों की तीव्र प्रक्रिया ने उत्पादन की प्रणालियों में जो परिवर्तन किये हैं उनकी बदौलत श्रमिक वर्ग अपने सामने नई चुनौतियों से रूबरू हुआ है। उत्पादन की प्रक्रिया अब राष्ट्रीय सीमाओं को तोड़ कर बहुराष्ट्रीय रूप ले चुकी है। एक देश के श्रमिक यदि अपने जायज सवालों पर संघर्ष में उतरकर कार्पोरेट मुनाफे की दर को चुनौती देते हैं तो उत्पादन को अन्य देश में शिफ्ट करना उसके लिए एक सरल विकल्प उपलब्ध है। इसलिए विश्व के स्तर पर श्रमिक एकजुटता की ओर बढ़ना और भी जरूरी बनता जा रहा है। दरअसल आज विश्व के सकल उत्पाद में बहुत बड़ा अंश असल में वित्तीय पूंजी का हो चुका है और यह निरंतर बढ़ रहा है। वित्तीय पूंजी औद्योगिक या बैंक आधारित पूंजी न होकर सट्टा और वायदा व्यापार के रूप में दुनियाभर में मुनाफे बटोरते हुए अपनी चंचलता के लिए कुख्यात है। वह सस्ती मजदूरी और कार्पोरेट हितैषी शासन की तलाश में पलक झपकने की गति से कहीं भी अपना ठिकाना बदल सकती है। नवउदारवादी व्यवस्था पूरी तरह कार्पोरेट को तो छूट प्रदान करती है परंतु इसमें श्रमिक के लिए उदारता नहीं है। इस प्रकार संगठित होने और सामूहिक सौदेबाजी के बारे में अंतर्राष्ट्रीय लेबर आर्गेनाइजेशन द्वारा स्वीकृत श्रम अधिकारों का अप्रासंगिक होने से स्थिति विकट हुई है।

सेवा सुरक्षा की हालत यह है कि भारत में गत पांच सालों के दौरान सीवर साफ करने वाले एक हजार से अधिक युवक मौत के मुंह में समा चुके। नीति-नियंताओं के पास आज के युग में इन मौतों का कोई जवाब है क्या? अलबत्ता उत्पादन प्रणालियों में आए जबर्दस्त बदलावों के कारण न केवल श्रमिक वर्ग बल्कि समूचे समाज के सामने ऐसी नई चुनौतियां पेश हुई हैं जिनसे रूबरू होने में समय लगना निश्चित है। आज रोजगार गंवाने वाले तबकों में सबसे संवेदनशील स्थिति महिलाओं की है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की स्थिति संकटग्रस्त होती जा रही है।

अतीत के साथ ही समकालीन इतिहास बोध महत्वपूर्ण

किमि तलतम

आजकल देश की युवा पीढ़ी को परिमार्जित ज्ञान देने के लिए बीते इतिहास के लुप्त या उपेक्षित रूपों की तलाश हो रही है। यह तलाश 1857 की क्रांति यानी प्रथम स्वाधीनता संग्राम से लेकर आजादी की लड़ाई के अनछुए पहलुओं को उजागर करने और उसके बाद देश के नवनिर्माण में नेताओं के उचित योगदान के आकलन की भी है। इसमें कुछ शिकायतें भी हैं। एक यह कि जो इतिहास अभी तक पढ़ाया जाता है, वह दिल्ली पर केन्द्रित है। उसमें इतिहास नायक भी उत्तरी भारत के ज्यादा हैं। दक्षिणी भारत उपेक्षित न हो, पूर्वी भारत उपेक्षित न हो, उनके इतिहास और युग नायकों को भी उचित सम्मान दिया जाये, इसलिए उनकी जयंतियों को भी यादगार के रूप में मनाया जा रहा है।

लेकिन यह शिकायत भी पैदा हो रही है कि इतिहास की इस तलाश में कहीं पूर्वाग्रही दृष्टि शामिल न हो जाये। कहीं इस संग्राम के कुछ हिस्से इसलिए ही गायब न कर दिए जाएं क्योंकि वे वर्तमान 'युग पुरुषों' की छवि को रुचते नहीं हैं। दरअसल, इस तरह का शोध कभी भी तटस्थ अध्येताओं को स्वीकार नहीं होता। खैर, नयी पीढ़ी के लिए उपेक्षित नायकों को सामने लाने में कोई हर्ज नहीं है। पंजाब में शहीद-ए-आजम भगत सिंह को अभी तक शहीद का दर्जा क्यों नहीं मिला, से लेकर नेता जी सुभाष चंद्र बोस और प्रथम स्वाधीनता संग्राम में रानी झांसी के शौर्य भरे युद्ध को केवल उत्तराधिकार के लिए एक लड़ाई की संज्ञा दे देना कुछ ऐसे विषय रहे हैं जिन पर नये तलाशे जा रहे इतिहास ने प्रकाश डाला है। लेकिन अति उत्साह में इतिहास के कुछ पन्ने बिल्कुल लुप्त ही न हो जाएं, इसका ध्यान भी रखना होगा। मसलन, सरदार पटेल का योगदान भारत के एकीकरण में बहुत महत्वपूर्ण है लेकिन भारतीय प्रजातंत्र के जनक और उसकी हर महत्वपूर्ण नींव के निर्माता पं. जवाहर लाल नेहरू का भी मूल्यांकन किसी प्रकार से कम नहीं होना चाहिए। खैर, ये इतिहास की ऐसी बातें हैं जिन्हें निखरते-संवरते अभी देर लगेगी।

इतिहास के पन्नों में से कुछ बाहर उलीच दिया जाये व कुछ नया शामिल किया जाये- इसमें किसी को शिकायत नहीं लेकिन भारत के लिए जो नया इतिहास बन रहा है, उसका न केवल संज्ञान जरूरी है बल्कि जो नया इतिहास लिखा जाए, उसमें ध्यान रहे कहीं इसकी उपेक्षा न हो जाये। मसलन, भारत के इतिहास में कोहिनूर के हीरे के महत्व का अंत नहीं। कभी वह राजा रणजीत सिंह के ताज का हिस्सा था। जब अंग्रेजों ने पंजाब पर अधिकार किया और दिलीप सिंह ने इंगलैंड में शरण ले ली तो इतिहास के इसी उलटफेर में कोहिनूर हीरा इंग्लैंड के सम्राटों के ताज की आब बन गया। भारत के औपनिवेशक काल से कोहिनूर हीरे के इस्तेमाल से एक विवाद जुड़ गया था। इस विवाद का तीखा और कटु हो जाना, दावा जताना आदि जैसे इतिहास का रुख मोड़ने का प्रयास ही होगा। दरअसल, इतिहास ऐसे नहीं मुड़ता, यह बात स्पष्ट हो गई है। यूं भी संबंधों की जो नयी जन्म पत्री और लेखा-जोखा दुनिया में लिखा जा रहा है उसमें बीते इतिहास की जगह नया बन रहा इतिहास ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। हमारे देश के नौजवानों को इस नये इतिहास से भी परिचित होना चाहिए।

ऐसे में नया इतिहास यह है कि भारत ने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में अपनी परिपक्व कूटनीति के साथ और आर्थिक जगत में इस महामंदी के काल में भी अपनी विकास दर को बनाए रखते हुए जो गरिमा प्राप्त की है, उससे उसकी आवाज दुनियाभर में सुनी जाने लगी है। इंग्लैंड में भारतीय मूल के प्रधानमंत्री से भारत के पक्ष के प्रति थोड़ा-सा उदासीन होने की चाहे जितनी भी शिकायतें हों लेकिन आज का इंग्लैंड भी भारत की उपेक्षा नहीं कर सकता है। वह देश भारत के विशाल मांग वाले बाजार और उसकी सस्ती श्रम आपूर्ति के बाजार को उपेक्षित करके नहीं चल सकता है। इसलिए अब जो इतिहास इंग्लैंड में बनने जा रहा है, वह अपने आप ही बदलता नजर आने लगा है। इसी माह इंगलैंड में महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला का राज्याभिषेक समारोह होने जा रहा है। आमतौर पर इस समारोह में वर्तमान महारानी जो ताज पहनतीं, उसमें कोहिनूर शामिल होता। पारम्परिक ताज में कोहिनूर का यह हीरा है। लेकिन ब्रिटेन ने इस बारे में समझदारी पूर्ण फैसला किया है। ताजपोशी समारोह के लिए महारानी कैमिला ने महारानी मैरी के मुकुट को चुना है। इसका डिजाइन चाहे महारानी अलैक्जेंड्रा के मुकुट से प्रेरित है जिसमें मूल रूप से कोहिनूर का हीरा था लेकिन अब वह वहां नहीं है। कोहिनूर को अब सार्वजनिक प्रदर्शनी में विजय के प्रतीक के रूप में आरक्षित कर दिया गया है। नि:संदेह भारत के लोगों की भावनाओं की कद्र करते हुए इंग्लैंड की राजशाही का यह फैसला इंग्लैंड के राजनीतिज्ञों की मर्जी के बिना नहीं हो सकता। इस फैसले को भारत को एक ऐसी सद्भावना के रूप में देखना चाहिए जिसके तहत इंग्लैंड ने भारतीयों की भावनाओं को उद्वेलित करने का प्रयास नहीं किया और अब ताजपोशी में कोहिनूर का इस्तेमाल नहीं होगा। यह है वो नया इतिहास जिसे भारतीयों को अंतर्राष्ट्रीय फलक पर प्राप्त नयी गरिमा ने यथार्थ रूप दिया है। बेशक, इस गरिमा का प्रदर्शन आर्थिक इतिहास में बढ़ते कदमों से भी हो रहा है। स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में भारत जो दुनिया का सबसे बड़ा आबादी वाला देश बन जायेगा, मंदी के दिनों में एक ऐसे मांग बाजार के रूप में उभरेगा जिसके लिए अमेरिका से लेकर इंग्लैंड तक के मंदीग्रस्त निवेशक प्राथमिकता चाहेंगे।

कोर्स एवं शैक्षिक योग्यता

12वीं के बाद फाइनेंस, इकोनामिक्स, बिजनेस या मैथ्स से ग्रेजुएशन करने वाले छात्र इस सेक्टर में करियर बना सकते हैं। इनके अलावा, जो लोग बैंकिंग एवं इंश्योरेंस में बीबीए, रिस्क मैनेजमेंट, इंश्योरेंस मैनेजमेंट, बैंकिंग एवं इंश्योरेंस मैनेजमेंट में बीकाम करते हैं, उनके लिए भी यहां अच्छे मौके हैं। इन दिनों संस्थानों द्वारा सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स भी आफर किए जा रहे हैं। साथ ही एआइ एवं मशीन लर्निंग में आनलाइन कोर्स भी उपलब्ध हैं, जिनका लाभ उठाया जा सकता है। जो नौजवान खुद का काम करना चाहते हैं, उन्हें इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट आफ इंडिया द्वारा आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा को क्लियर करना होता है। परीक्षा पास करने पर उन्हें एक लाइसेंस दिया जाता है।

ये हैं प्रमुख संस्थान

बिड़ला इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट टेक्नोलाजी, ग्रेटर नोएडा
बर्दवान विश्वविद्यालय, बंगाल
शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा
कालेज आफ वोकेशनल स्टडीज, नयी दिल्ली।

बुनियादी कुशलता

इंश्योरेंस सेक्टर में किसी भी स्ट्रीम के युवा अपना करियर बना सकते हैं, बशर्ते उनके अंदर एक जुनून हो। मानवीय जीवन एवं स्वास्थ्य को लेकर संवेदनशीलता हो। इसके अलावा, उम्मीदवार के पास कुछ बुनियादी कुशलता भी होनी आवश्यक है, जैसे कि न्यूमरेसी, एनालिटिकल स्किल, समस्याओं का समाधान निकालने की कुशलता, ग्राहकों की जरूरतों की समझ एवं प्रभावी संवाद कौशल। क्योंकि इस क्षेत्र में टेक्नोलाजी का उपयोग काफी बढ़ गया है, इसलिए एआइ, मशीन लर्निंग, ब्लाकचेन, आइओटी आदि नवीनतम टेक्नोलाजी की जानकारी रखना अच्छा रहेगा।

इंश्योरेंस सेक्टर करियर की हैं अपार संभावनाएं

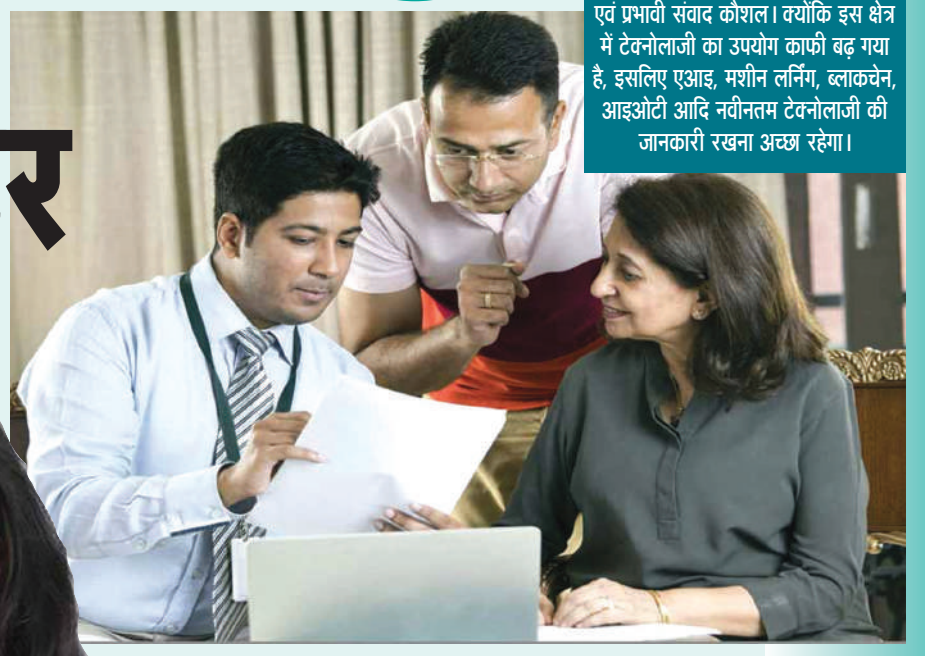

इंश्योरेंस सेक्टर में किसी भी स्ट्रीम के युवा अपना करियर बना सकते हैं बशर्ते उनके अंदर एक जुनून हो। मानवीय जीवन एवं स्वास्थ्य को लेकर संवेदनशीलता हो। इसके अलावा उम्मीदवार के पास कुछ बुनियादी कुशलता भी होनी आवश्यक है। वैश्विक महामारी के बाद से इंश्योरेंस का महत्व एवं आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। एक अनिश्चित माहौल में प्रत्येक व्यक्ति अपने भविष्य की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त हो जाना चाहता है। इंश्योरेंस सेक्टर के डिजिटलाइजेशन एवं इसमें टेक्नोलाजी के समावेश से कई प्रकार के आमूल-चूल बदलाव भी हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लाकचेन एवं इंटरनेट आफ थिंग्स ने इंश्योरेंस से जुड़ी कंपनियों की पूरी कार्यप्रणाली को बदल कर रख दिया है। इससे इस सेक्टर में नौजवानों के लिए करियर के नए दरवाजे खुल गए हैं। किसी के जीवन का भरोसा नहीं होता। अचानक कोई बीमारी घेर लेती है। सेहत बिगड़ जाती है। बिजनेस फेल हो जाते हैं।

बढ़ती संभावनाएं

आइबीईएफ ओआरजी की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में 57 इंश्योरेंस कंपनियां हैं, जिनमें 24 कंपनियां लाइफ इंश्योरेंस से जुड़ी हैं। इनके अलावा हेल्थ इंश्योरेंस, जनरल इंश्योरेंस, प्रापर्टी इंश्योरेंस, कार इंश्योरेंस आदि कई डोमेन हैं, जहां युवाओं के लिए अवसर हैं। कह सकते हैं कि सरकारी के अलावा निजी क्षेत्र में इंश्योरेंस प्रोफेशनल्स की अच्छी मांग है। वे पब्लिक सेक्टर के बैंकों, इंश्योरेंस एजेंसियों, फाइनेंस इंस्टीट्यूट्स, क्रेडिट कंपनीज एवं डिपार्टमेंट्स में अपनी सेवाएं दे सकते हैं। इंश्योरेंस सेक्टर में कार्यरत स्टार्टअप्स में भी पेशेवरों के लिए अच्छे विकल्प मौजूद हैं। ये स्टार्टअप्स सेल्स एजेंट्स, मार्केटर्स, कस्टमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव, रिस्क मैनेजर, डाटा साइंटिस्ट, अंडर राइटर्स, क्लेम एडजस्टर्स जैसे पदों पर युवाओं की नियुक्ति कर रहे हैं। इनके अलावा, ब्रोकर्स, सर्वेयर्स, एडवाइजर, मार्केटिंग स्पेशलिस्ट, एचआर प्रोफेशनल के तौर पर भी इस सेक्टर में कार्य कर सकते हैं। इन दिनों कंप्यूटर विजन डेवलपर्स, डाटा एनोटेशन इंजीनियर्स, यूआइ डिजाइनर्स, प्रोडक्ट स्पेशलिस्ट्स (इंश्योरेंस) एवं क्वालिटी एनालिस्ट्स की अच्छी मांग इंश्योरेंस इंडस्ट्री में देखी जा रही है।

हंसना मना है

टीचर- संजू यमुना नदी कहाँ बहती है? संजू- जमीन पर, टीचर- नक्शे में बताओ कहाँ बहती है? संजू- नक्शे में कैसे बह सकती है, नक्शा गल नहीं जाएगा?

अध्यापक ने रमेश से कहा- रमेश! सोना अधिक कहां होता है? रमेश ने कहा- जी! जहां रातें अधिक लंबी होती है, वहीं सोना अधिक होता है।

मास्टर- नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली चली। पप्पू- नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली टेढ़ी-मेढ़ी चली। मास्टर- तू पगला गया है क्या! नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को जाती है। पप्पू -देखो मास्टर साहब पहली बात यह है कि हम बिल्ली को हज पर क्यों भेजें, नौ सौ चूहे खाकर तो बिल्ली से हिला भी न जाये, ये बिल्ली है, कोई नेता नहीं है कि जो कितना भी खाये, चलते ही जाये।

अध्यापिका- कल मैंने तुझे कुत्ते पर निबंध लिखने को कहा था! तू लिखकर क्यों नहीं लाया? राकेश- क्या करूं मैडम, जैसे ही मैंने कुत्ते पर पेन रखा, वो भाग गया!

टीचर- तुमने कभी कोई नेक काम किया है? पप्पू- हां सर.. एक बुजुर्ग धीरे-धीरे अपने घर जा रहे थे.. मैंने कुत्ता पीछे लगा दिया, जल्दी पहुंच गए?

कहानी | महिलामुख हाथी

बहुत समय पहले की बात है राजा चन्द्रसेन के अस्तबल में एक हाथी रहता था। उसका नाम था महिला मुख। महिला मुख हाथी बहुत ही समझदार, आज्ञाकारी और दयालु था। उस राज्य के सभी निवासी महिला मुख से बहुत प्रसन्न रहते थे। राजा को भी महिला मुख पर बहुत गर्व था। कुछ समय बाद महिला मुख के अस्तबल के बाहर चोरों ने अपनी झोपड़ी बना ली। चोर दिनभर लूट-पाट और मार-पीट करते और रात को अपने अड्डे पर आकर अपनी बहादुरी का बखान करते थे। चोर अक्सर अगले दिन की योजना भी बनाते कि किसे और कैसे लूटना है। उनकी बातें सुनकर लगता था कि वो सभी चोर बहुत खतरनाक थे। महिला मुख हाथी उन चोरों की बात सुनता रहता था। कुछ दिन बाद महिला मुख पर चोरों की बातों का असर होने लगा। महिला मुख को लगने लगा कि दूसरों पर अत्याचार करना ही असली वीरता है। इसलिए, महिला मुख ने फैसला लिया कि अब वो भी चोरों की तरह अत्याचार करेगा। सबसे पहले महिला मुख ने अपने महावत पर वार किया और महावत को पटक-पटक कर मार डाला। इतने अच्छे हाथी की ऐसी हरकत देखकर सारे लोग परेशान हो गए। महिला मुख किसी के काबू में नहीं आ रहा था। राजा भी महिला मुख का ये रूप देखकर चिंतित हो रहे थे। फिर राजा ने महिला मुख के लिए नए महावत को बुलाया। उस महावत को भी महिला मुख ने मार गिराया। इस तरह बिगड़ैल हाथी ने चार महावत कुचल दिए। महिला मुख के इस व्यवहार के पीछे क्या कारण था यह किसी को समझ नहीं आ रहा था। जब राजा को कोई रास्ता नहीं सूझा, तो उसने एक बुद्धिमान वैद्य को महिला मुख के इलाज के लिए नियुक्त किया। राजा ने वैद्य जी से आग्रह किया कि जितनी जल्दी हो सके महिला मुख का इलाज करें, ताकि वो राज्य में तबाही का कारण नहीं बन सके। वैद्य जी ने राजा की बात को गंभीरता से लिया और महिलामुख की कड़ी निगरानी शुरू की। जल्द ही वैद्य जी को पता चल गया कि महिला मुख में ये परिवर्तन चोरों के कारण हुआ है। वैद्य जी ने राजा को महिला मुख के व्यवहार में परिवर्तन का कारण बताया और कहा कि चोरों के अड्डे पर लगातार सत्संग का आयोजन कराया जाए, ताकि महिला मुख का व्यवहार पहले की तरह हो सके। राजा ने ऐसा ही किया। अब अस्तबल के बाहर रोज सत्संग का आयोजन होने लगा। धीरे-धीरे महिलामुख की दिमागी हालत सुधरने लगी। कुछ ही दिनों में महिला मुख हाथी पहले जैसा उदार और दयालु बन गया। अपने पसंदीदा हाथी के ठीक हो जाने पर राजा चंद्रसेन बहुत प्रसन्न हुए। चन्द्रसेन ने वैद्य जी की प्रशंसा अपनी सभा में की और उन्हें बहुत से उपहार भी प्रदान किए।

7 अंतर खोजें

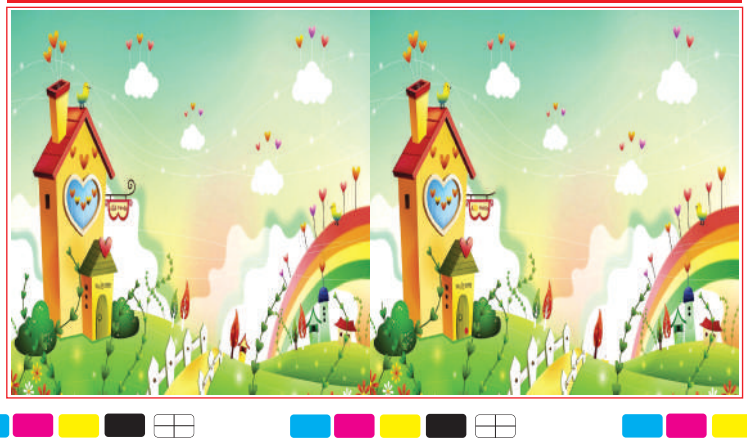

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। व्यर्थ दौड़धूप होगी। विवाद से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है।

तुला नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृषभ प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा।

वृश्चिक वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी।

मिथुन फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

मकर कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो।

सिंह कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। किसी व्यक्ति के काम की जवाबदारी न लें। स्वयं के काम पर ध्यान दें।

कुम्भ नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

कास्टिंग डायरेक्टर ने डांटकर मुझे आफिस से बाहर निकाल दिया था : नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी भले ही आज इंडस्ट्री के जहीन स्टार्स की फेरिहस्त में शामिल हो गए हैं, लेकिन एक वक्त ऐसा भी था, जब नवाज कास्टिंग डायरेक्टर के ऑफिसों के चक्कर काटा करते थे। नवाज को इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में लगभग 15 साल का स्ट्रगल करना पड़ा था। फिल्मों में छोटे-छोटे किरदारों का सफर तय करते हुए नवाज आज टॉप एक्टर्स की लिस्ट में शुमार हैं। हालांकि नवाज आज भी अपने स्ट्रगल के दिनों को नहीं भूलते हैं। जोगीरा सारा रा रा के ट्रेलर लॉन्च के दौरान उन्होंने एक दिलचस्प किस्सा शेयर करते हुए बताया कि एक वक्त किसी कास्टिंग डायरेक्टर ने उन्हें धक्के मारकर ऑफिस से निकाल दिया था। इस किस्से को सुनाते हुए नवाजुद्दीन बताते हैं, एनएसडी के बाद जब मैं मुंबई आ गया था, तो यहां के तौर तरीकों से बिल्कुल अनजान था। मुझे तो यह तक नहीं पता था कि आखिर ऑडिशन कैसे दिया जाता है? मैं अपने हाथ से लिखा बायोडाटा लेकर कास्टिंग डायरेक्टर्स के ऑफिस, प्रोडक्शन हाउस के ऑफिसों में घूमा करता था। एक दिन कास्टिंग डायरेक्टर से मेरी मुलाकात हुई, तो मैंने उसे अपने हाथों से लिखा बायोडाटा दिया था। उसने कहा इससे काम नहीं चलेगा, अपनी तस्वीर दो। तो मैंने अपनी पिछली जेब से निकालते हुए एक तस्वीर आगे बढ़ाई थी। चूंकि तस्वीर मुड़ी हुई होने की वजह से बीच से चिपक गई थी। तस्वीर की यह हालत देखकर उस कास्टिंग डायरेक्टर का पारा चढ़ गया। गुस्से मैं आकर उसने चिल्लाते हुए कहा दफा हो जाओ यहां से, तुम्हारे पास ढंग की तस्वीर नहीं है और एक्टर बनने चले आते हो। हालांकि यह पहला किस्सा नहीं है, जब नवाज ने इंसल्ट झेली है। इससे पहले भी नवाज अपने रंग और कद-काठी की वजह से कई रिजेक्शन झेल चुके हैं। उन्हें सांवले रंग की वजह से भी गरीब-मजदूर जैसे किरदारों तक ही सीमित कर दिया जाता था। हालांकि उन्होंने कभी हार न मानी और आज अपनी हुनर की वजह से उन्होंने साबित कर दिया है कि टैलेंट हो, तो बाकि सब चीजें पीछे चली जाती हैं।

मेट गाला में आलिया-प्रियंका ने बिखेरे अपने हुस्न के जलवे

काफी समय से मेट गाला चर्चा में बना हुआ है। फाइनली 2023 के सबसे बड़े फैशन शो का आगाज हो गया है। इस बार इस इवेंट में बॉलीवुड की मोस्ट टैलेंटेड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने अपना डेब्यू किया है। वहीं हर बार की तरह प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने भी महफिल लूट ली। दोनों हसीनाएं एक से बढ़कर एक लुक में नजर आईं। फैंस को आलिया और देसी गर्ल का ग्लैमरस अवतार काफी पसंद आ रहा है।

अपने मेट गाला डेब्यू के लिए गंगूबाई ने डिजाइनर प्रबल गुरुंग की ड्रैस कैरी की थी। आलिया ने मोतियों से सजे खूबसूरत व्हाइट गाउन को पहना था। आलिया ने सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरों को शेयर किया है। तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है जिन्हें फैंस भी पसंद कर रहे हैं।एक्ट्रेस ने अपने लुक को पूरा मैचिंग ग्लव्स और यूनिक ईयररिंग्स के साथ किया था। हेयर स्टाइल की बात करें तो एक्ट्रेस मिडल पार्टिंग आफ ओपन हेयर के साथ बेहद ग्लैमरस लग रही थीं।

आलिया के बाद मेट गाला में ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनस के साथ एंट्री मारी। रेड कार्पेट पर एक्ट्रेस फैमस डिजाइनर वैलेंटिनो का थाई-हाई स्लिट ब्लैक गाउन पहने वॉक करती दिखाई दी। इस इवेंट में प्रियंका के डायमंड नेकलैस ने हर किसी का ध्यान अपनीओर खींचा, जो पूरे 11।6 कैरेट के डायमंड से बना था,साथ उन्होंने मैचिंग हाई हिल्स कैरी की थी। प्रियंका ने अपने गाउन लुक के साथ बालों का टॉप बन स्टाइल किया था। इस दौरान निक ने व्हाइट शर्ट, ब्लैक पैंट, टाई और जैकेट पहनी थी। दोनों ने जमकर मीडिया के सामने पोज दिए।

बॉलीवुड | मसाला

32 हजार लड़कियों के धर्म परिवर्तन को लेकर बढ़ा विवाद

द केरला स्टोरी

सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर विवाद बढ़ रहा है। फिल्म के टीजर में दावा किया गया है कि 32 हजार लड़कियां लापता हो गई और पूरा देश फिल्म के टीजर आने से पहले अनजार रहा है। ऐसे में हर इस सवाल का जवाब चाहता है कि क्या यह आंकड़ा केवल फिल्म के लिए या फिर सच में ऐसा कुछ हुआ था।

फिल्म डायरेक्टर सुदीप्तो सेन ने एक इंटरव्यू में कहा था कि केरल से 32 हजार लड़कियां गायब हुई ये आंकड़े उनके नहीं है। उन्होंने यह आंकड़े पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के साथ अपनी बातचीत के आधार पर दी है। डायरेक्टर सुदीप्तो सेन के अनुसार ओमन चांडी ने कहा था कि हर साल लगभग 2,800 लड़कियां इस्लाम अपना रही हैं। इस तरह यह संख्या 10 में 32 हजार तक पहुंच गई। हालांकि सुदीप्तो ने यह भी बताया है कि ओमन चांडी ने कैमरे के सामने इस बात से इनकार किया कि केरल मे ऐसा कुछ हुआ था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ओमन चांडी ने साल 2012 में विधानसभा में बताया था कि साल 2006 से राज्य में 2,667 लड़कियों ने इस्लाम धर्म अपनाया है। उन्होंने अपने बयान में हर साल का जिक्रनहीं किया था।

अजब-गजब | दोस्त के साथ कचरा बीनती है महिला

यह महिला ऑनलाइन कचरा बेचकर हर महीने करती है 4 लाख की कमाई

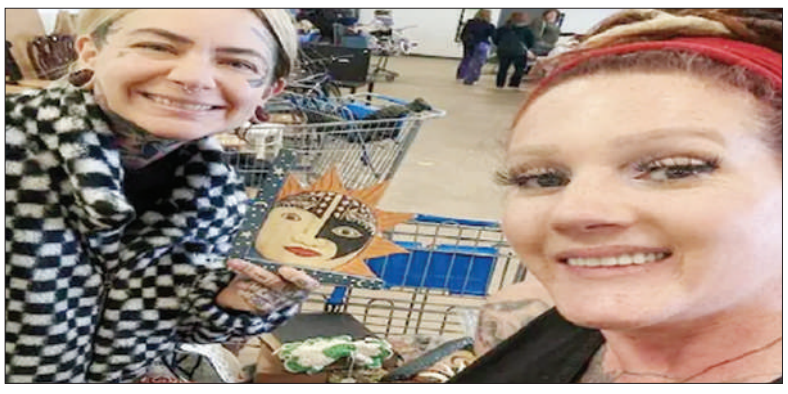

आज के समय में लोगों ने पैसे कमाने के कई तरीके ढूंढ निकाले हैं। कोई पढ़ाई कर डिग्री लेकर नौकरी करते हैं। तो कुछ लोग अपना खुद का बिजनेस शुरू कर कमाई कर रहे हैं। लेकिन कुछ ऐसे भी लोग हैं जो लीक से हटकर ऐसा काम करते हैं, जो सुनने में बेहद अजीब लगता है। लेकिन इससे होने वाली कमाई किसी के भी होश उड़ा दे। ऐसा ही कुछ करती हैं अमेरिका की रहने वाली वेरोनिका। वेरोनिका अपनी दोस्त लीज विल्सन के साथ मिलकर कचरा बीनती है। इसके जरिये अभी तक दोनों ने लाखों की कमाई कर डाली है।

वेरोनिका टेलर और उसकी बिजनेस पार्टनर लीज विल्सन कचरे से लाखों की कमाई कर रही हैं। दोनों सड़क किनारे लगे कचरे के डिब्बों की खाक छानती है। इसके बाद इन डिब्बों में फेंके गए पर्स या दूसरे ब्रांडेड सामान को ऑनलाइन बेचती हैं। इस ऑक्शन के लिए वो WhatNot साइट का इस्तेमाल करती हैं। लोग इन यूज किये डिजाइनर सामानों को सस्ते दाम पर हाथों-हाथ खरीद भी लेते हैं। इस तरीके से दोनों दोस्त महीने में करीब चार लाख की कमाई कर लेती हैं।

वेरोनिका और लीज काफी समय से कचरे से कमाई कर रही हैं। अभी तक उन्हें कई महंगे ब्रांड्स के सामान मिल चुके हैं। इसमें Louis Vuitton और Michael Kors जैसे ब्रांड भी शामिल हैं। इसके अलावा अगर इन्हें खाना मिलता है तो उसे ये डोनेट कर देती हैं।

वेरोनिका के मुताबिक,ये काम बेहद उत्साहित करने वाला है। ऐसा लगता है कि वो किसी खजाने की खोज में हैं। हर दिन कुछ नई चीज मिलती है और उन्हें कमाई का एक नया जरिया मिलता है। वेरोनिका ने आगे बताया कि उन्हें हर दिन सुबह इस बात की ऐक्साइटमेंट होती है कि आज उन्हें क्या नया मिलेगा? इसके अलावा वो पूरा समय लीज के साथ बिताती है। इसमें भी काफी अच्छी मस्ती हो जाती है। ये काम उन्हें तरोताजा रखता है। जो भी सामान उन्हें मिलता है, उसे वो ऑनलाइन बेच देती हैं। अगर सामान में कोई डिफेक्ट है, तो उसे सुधार लेती हैं। कमाई को दोनों दोस्त आधा-आधा बांट लेती हैं। ये काम वेरोनिका और लीज 2022 से कर रही है। पहले कैलिफोर्निया में लेकिन अब दोनों पेंसिल्वेनिया में कचरा बीन रही हैं।

बीच नहीं ये है गायों का तबेला! यहां इंसान हैं गिने-चुने, हर तरफ शान से सनबाथ लेते हैं जानवर

हर किसी को घूमने-फिरने के लिए अलग-अलग जगहें पसंद होती हैं। किसी को पहाड़ों पर जाकर शांति से वक्त बिताना अच्छा लगता है तो कुछ लोग चाहते हैं कि समंदर या नदी के किनारे शांति से समय बताएं। इस तरह की कुछ जगहें तो पॉपुलर होती हैं लेकिन कुछ जगहों के बारे में कम ही लोगों को पता होता है। ऐसे ही एक बीच के बारे में सोशल मीडिया पर जब लोगों ने बताया, तो जानने वाले हैरान रह गए। वैसे तो ये बीच काफी खूबसूरत दिख रहा है, जहां नीला आकाश और दूर तक फैला हुआ पानी ही पानी दिख रहा है। हालांकि इसमें जो चीज़ खास दिख रही है, वो है बीच की रेत पर आराम फरमा रहीं गायों का झुंड। ये इंसानों के साथ आराम से मिलकर सनबाथ ले रहा है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन के कुछ सबसे खूबसूरत नज़ारों वाली जगह यॉर्कशायर के पास ही ये बीच है। यहां दूर तक फैला हुआ समंदर और नीला आकाश है, जो डे आउट के लिए परफेक्ट लग रहा है। इसका नाम Gaddings Dam है और ये यूनाइटेड किंगडम के कुछ सबसे ऊंचे बीचेज़ में से एक है। इसे Cow Beach के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहां आने वाले सैलानियों का साथ देने के लिए अच्छी संख्या में गायें यहां मौजूद रहती हैं। टिकटॉकर Clarice Herring ने इस जगह को वीडियो के जरिये लोगों के सामने रखा है। इस जगह की कुछ तस्वीरें आपको तबेले जैसी लगेंगी क्योंकि यहां मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। हालांकि लोगों को ये व्यू बहुत पसंद आया है। क्लेरिस के मुताबिक यहां पहुंचने के लिए पहाड़ पर चढ़ने जितनी मेहनत लगती है क्योंकि 1 घंटे की ट्रेकिंग तो करनी ही पड़ती है। यहां पास में ही एक पब भी है, जो लोगों के बीच खासा पॉपुलर है। लोगों को स्विमिंग के लिए ये जगह बेहतरीन लग रही है। वैसे आपका क्या ख्याल है?

जम्मू से डोगरा संस्कृति और पहचान को खत्म करने की कोशिश : फारूक

» बोले:- 370 को निरस्त करने के बाद भी आतंकवाद बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू । नेकां अध्यक्ष व सांसद डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने भाजपाइयों पर बरसते हुए कहा कि अगर लेह और श्रीनगर में जी20 की बैठकें करवाई जा सकती हैं, तो जम्मू में क्यों नहीं। जम्मू-जम्मू और डोगरा-डोगरा के नारे लगाने वाले आज कहां हैं। इस पर कोई भाजपा नेता क्यों नहीं बोल रहा है। क्या उनके लिए जम्मू महत्वपूर्ण नहीं है। वह इसे अपनी जेब में समझ रहे हैं।उन्होंने कहा कि जम्मू में गैर प्रवासी लोगों को बसाकर यहां की डोगरा संस्कृति और पहचान को खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

भविष्य में डोगरा जुबान खत्म हो जाएगी। बाहर के लोग यहां आकर बस रहे हैं। नौकरियां भी उनके लिए हैं, लेकिन किसी भी भाजपा नेता को इससे लेना देना नहीं है। पत्रकारों से रूबरू होते हुए फारूक ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) मिशन के तहत 336 फ्लैटों के आवंटन के लिए अस्थायी या स्थायी रूप से जम्मू में प्रवास करने वाले लोगों से ऑनलाइन आवेदन मांगने वाले जम्मू-कश्मीर हाउसिंग बोर्ड द्वारा जारी सार्वजनिक नोटिस यह दिखाता है कि हम हर समय यह कहते रहे हैं कि जनसांख्यिकीय परिवर्तन लाया जा रहा है।

पंचायत चुनाव को तैयार नेकां

हमें विधानसभा चुनाव की परवाह नहीं है। लेकिन यह अच्छी बात है कि पंचायत चुनाव कराए जाने की बात कही जा रही है। नेकां पंचायत, डीडीसी सहित अन्य सभी चुनाव लड़ने के लिए तैयार है, लेकिन वह कभी भीख नहीं मांगेगी। अगर यहां बाहरी लोगों को बसाया जाएगा, तो स्थानीय कहां जाएंगे। जम्मू अपनी डोगरा पहचान खोने जा रहा है। अंतिम डोगरा शासक महाराजा हरि सिंह ने सन 1927 में नौकरी और भूमि संरक्षण के लिए कानून बनाए। उन्होंने जम्मू की संस्कृति और पहचान बरकरार रहने के लिए ऐसा किया, लेकिन आज इसके विपरीत हो रहा है।

सत्यपाल मलिक के खुलासे से खुली भाजपा की पोल

विपक्ष 2024 के संसदीय चुनाव में भाजपा के खिलाफ एकजुट होने की कोशिश कर रहा है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने भाजपा की पोल खोली है। उन्होंने कहा था कि पुलवामा हमारी गलती थी, वह कहते हैं कि जवानों को भेजने के लिए हमें पांच जहाज नहीं दिए। आतंकी हमले वाले उस रूट पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं थे। तीन हफ्ते से वह विस्फोटक भरा वाहन 300 किलो आरडीएक्स लेकर घूमता रहा। किसी ने उसे पकड़ा नहीं। इसी तरह बालाकोट में हुआ। उन्होंने जंतर मंतर पर महिला पहलवानों के आंदोलन का समर्थन किया। कहा कि वह हिम्मत से खड़ी हैं, लेकिन उनकी कोई सुन नहीं रहा है। सर्वोच्च न्यायालय में जाने के बाद न्यायालय के आदेश पर एफआईआर दर्ज की गई। बेटियों में सरकारों को हिलाने की हिम्मत है। हम कभी पाकिस्तानी नहीं थे। लेकिन हर वक्त हम पर उंगली उठाई गई। अगर ऐसा होता तो हम भी 1947 में पाकिस्तान चले जाते। तब नेकां के स्व. शेख अब्दुल्ला खड़े रहे।

मध्य प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों के साथ किया अन्याय : कमलनाथ

» विधानसभा चुनाव में लिया जाएगा सरकार से हिसाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में चुनाव से पहले नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने शिवराज सरकार पर जमकर निशाना साधा। एमपी आउटसोर्स अस्थायी एवं संविदा कर्मचारी कांग्रेस का सहयोगी संगठन प्रांतीय जन स्वास्थ्य रक्षक संगठन मप्र द्वारा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय परिसर में प्रदेश स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें नाथ ने कहा कि शिवराज सरकार ने नौकरियों में कार्यरत कर्मचारियों के साथ अन्याय किया है, जन स्वास्थ्य रक्षकों को उनका अधिकार नहीं दिया।

आउटसोर्स कर्मी, अतिथि शिक्षक, आशा-उषा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी, रसोईया आदि सभी कर्मचारी वर्ग प्रदेश की भाजपा सरकार में हताश और निराश है, उन्हें न्यूनतम वेतन नहीं मिल रहा, उनकी नौकरी में कोई सुरक्षा नहीं, पीएफ, ईएसआई जैसी सुविधाओं से लाखों अस्थायी कर्मचारी वंचित हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में इस वर्ग को अपना हिसाब शिवराज सरकार से लेना है। यह आपको तय करना है कि कर्मचारियों के साथ अन्याय करने वाली सरकार को कैसे जवाब देना है?

कमलनाथ ने कहा कि कांग्रेस का कार्यकाल था, हमने अपनी नीति और नीयत का परिचय दिया, शिवराज जी मुंह चलाने में माहिर है, मुंह चलाने से प्रदेश नहीं चलता, शिवराज जी कहते हैं एक लाख नौजवानों को रोजगार मिलेगा, मैं तो कहता हूं जो खाली पद हैं पहले उनको भर दीजिए।कमलनाथ ने कहा कि कांग्रेस सरकार बनते ही अन्याय को समाप्त कर जनस्वास्थ्य रक्षकों के साथ न्याय किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आज हर वर्ग परेशान है, यह भटकता हुआ नौजवन बहुत बड़ी चुनौती है हमारे सामने, यही नौजवान मप्र का निर्माण करेंगे, पर इनका भविष्य अंधेरे में रहा तो मप्र का कैसे निर्माण होगा? उन्होंने कहा कि आज आप खुद को बचाना चाहते है या भाजपा को?

कमलनाथ ने कहा कि आज 3 लाख 30 हजार करोड़ का कर्ज मप्र पर है। भाजपा ने यह कर्ज क्या जन स्वास्थ्य रक्षकों, आउटसोर्स, आशा कार्यकर्ताओं, अतिथि शिक्षकों के लिये लिया? नहीं। इन्होंने कर्ज लेकर अपने ठेकेदारों को फायदा पहुंचाया।

बेअंत सिंह हत्या केस के दोषी की मौत की सजा बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के मुख्यमंत्री रहे बेअंत सिंह की 1995 में हुई हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए बलवंत सिंह राजोआना की मौत की सजा को बदलने से इनकार कर दिया। याचिका में मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने की मांग की गई थी।

हालांकि, कोर्ट ने राजोआना की दया याचिका पर सक्षम प्राधिकारियों को जरूरत के हिसाब से फैसला लेने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि राजोआना ने 26 साल की लंबी कैद के आधार पर अपनी मौत की सजा को उम्रकैद में बदलने की मांग की थी। शीर्ष कोर्ट ने पिछले साल दो मई को केंद्र से राजोआना की ओर से दायर कम्युटेशन याचिका पर दो महीने के भीतर फैसला करने को कहा था। हालांकि, केंद्र की तरफ से फैसला न होने पर पिछले साल 28 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने मामले को अपने हाथ में ले लिया था।

सीएम योगी ने सुषमा के लिए मांगा वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में निकाय चुनाव को लेकर सभी पार्टियां प्रचार में जुटी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। कल पूर्वांचल में कई जनसभाओं को संबोधित करने के बाद आज भारतीय जनता पार्टी की लखनऊ नगर निगम मेयर प्रत्याशी सुषमा खर्कवाल और सभी पार्षदों द्वारा आयोजित जनसभा में भी पहुंचे। इनके अलावा उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा और राजेश्वर शुक्ल भी मौजूद रहे।

योगी ने कहा कि आज भारत का वो व्यक्ति जो विदेश में रहता है या विदेश जाता है उसे सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। डबल इंजन की सरकार ने गरीबों को अन्न के साथ-साथ घर व गैस कनेक्शन दिया है। जनधन योजना के अन्दर्गत

अकाउण्ट खोला गया, जिसका लाभा करोड़ों लोगो को हो रहा है। इसके अलावा होली-दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए बजट दे दिया गया है। उन्होंनो कहा कि आज युवाओं का हांथ तमंचे पर नहीं टैबलेट पर है। शहरों को स्मार्ट बनाया जा रहा है। इन्वेस्टर समिट से करीब एक करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। अगर निगर निगम में जीतते हैं तो विकासदर तेज होगा। इसके बाद उन्होने मेयर के साथ-साथ पार्षद उम्मीदवारों के लिए भई वोट मांगे। बताया की लखनऊ में भी लॉयन सफारी बनाने जा रहे हैं।

बता दें कि आज शाम पांच बजे प्रथम चरण के लिए प्रचार थम जाएगा। इस चरण में सीएम योगी नें ताबड़ोतोड़ रैलियां की। आखिरी मौके पर लखनऊ में जनसभा को संबोधित कर मेयर के साथ-साथ पार्षदों के लिए वोट मांगे।

ईशांत ने छीनी गुजरात से जीत, दिल्ली चमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिरी ओवर में ईशांत शर्मा की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने रोमांचक मैच में गुजरात टाइटंस को अहमदाबाद में हरा दिया। इशांत उन्होंने 4 ओवरों में 23 रन देकर 2 विकेट झटके। ईशांत ने फाइनल ओवर में 6 रन देकर एक विकेट लिया। उन्होंने ताबड़तोड़ बैटिंग कर रहे राहुल तेवतिया को पवेलियन का रास्ता दिखाया था। ईशांत ने मैच के बाद अपने प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि तेवतिया को आउट करने के लिए क्या तरकीब अपनाई थी।

ईशांत के पास तेवतिया को आउट करने का प्लान था। उन्होंने कहा मैंने तेवतिया के साथ काफी क्रिकेट खेली ह, मुझे पता था कि उन्हें डबल ब्लफ करना होगा नहीं

तो हम जानते हैं कि वह बल्ले से क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा, कि मैं नेट्स में लगातार अभ्यास करता हूं, हम नई गेंद के साथ प्रैक्टिस करते हैं, लेकिन इसके साथ वाइड यॉर्कर्स का भी अभ्यास करते हैं, हमारी कड़ी मेहनत का परिणाम आज मिला है।

आखिरी ओवर में दिया झटका

गौरतलब है कि गुजरात को जीत के लिए आखिरी ओवर में 12 रनों की जरूरत थी। ईशांत ने इस ओवर में सिर्फ 6 रन दिए और एक विकेट लिया। दिलचस्प बात यह भी है कि इस ओवर में एक भी बाउंड्री नहीं लगी। ईशांत ने ओवर की चौथी गेंद पर राहुल तेवतिया को कैच आउट करवाया था। राइली रूसो ने तेवतिया का कैच लिया था। तेवतिया 7 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट थे,उन्होंने 3 छक्के जड़े थे। अगर पॉइंट्स टेबल की बात करें तो इस जीत के बाद भी दिल्ली सबसे निचले स्थान पर है, उसने 9 में से 3 मैच जीत हैं,दिल्ली ने कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद को भी हराया है। कोलकाता और हैदराबाद ने भी अभी तक 3-3 मैच जीते हैं। केकेआर को 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

बाकी आईपीएल मैचों से बाहर हुए उनादकट

लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज जयदेव उनादकट आईपीएल 2023 से बाहर हो गए हैं। उनादकट के कंधे में चोट लगी है। लिहाजा इस सीजन के बचे हुए मैचों में नहीं खेल पाएंगे। वे इंजरी की वजह से ब्रेक पर थे, लेकिन अब इस सीजन में वापसी नहीं कर सकेंगे, उनादकट के बाएं कंधे में चोट लगी है। रिपोर्ट के मुताबिक नेट्स में अभ्यास के दौरान चोटिल हुए थे। उनादकट के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच से पहले फिट होने की उम्मीद है, उनको लेकर अभी तक आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आयी ह, उनादकट ने इस सीजन में सिर्फ 3 मैच खेले है, इस दौरान वे एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। लेकिन इससे पहले वे कई बार शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं।

पहलवानों को मनाने जंतर-मंतर पहुंचीं पीटी उषा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

खिलाड़ियों से की लंबी बातचीत

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा आज बुधवार को जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे पहलवानों से मिलने पहुंची हैं। जानकारी के मुताबिक, इस दौरान पीटी उषा धरने पर बैठे खिलाड़ियों से बातचीत कर उन्हें मनाने का प्रयास कर रही हैं। बता दें कि इससे पहले पीटी उषा ने पहलवानों के प्रदर्शन को अनुशासनहीनता बताया था।

पीटी उषा ने बीते गुरुवार को भारतीय ओलंपिक संघ की कार्यकारी समिति की बैठक के बाद कहा था कि पहलवानों का सड़कों पर प्रदर्शन करना अनुशासनहीनता है और इससे देश की छवि खराब हो रही है। अपने इस बयान लेकर वह घिर गई थीं। खिलाड़ियों सहित राजनीतिक दलों के कई नेताओं ने उनके बयान की आलोचना की थी। इसके अलावा पीटी उषा ने भारतीय कुश्ती संघ को चलाने के लिए तीन सदस्यों का एक पैनल बनाने की बात कही थी।

खेलमंत्री ने मामले को दबाने की कोशिश की: विनेश फोगाट

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के साथ जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रही भारत की शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि एक शक्तिशाली व्यक्ति के खिलाफ खड़ा होना मुश्किल है, जो अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रहा है। विनेश फोगट ने केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर पर कोई कार्रवाई नहीं करने और कमेटी बनाकर मामले को दबाने को लेकर भी निशाना साधा। हमने केंद्रीय खेल मंत्री (अनुराग ठाकुर) से बात करने के बाद अपना विरोध समाप्त कर दिया, और सभी एथलीटों ने उन्हें यौन उत्पीड़न के बारे में बताया था। एक समिति बनाकर, उन्होंने वहां मामले को दबाने की कोशिश की, उस समय कोई कार्रवाई नहीं की गई। पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा कि वे ओलंपिक में चयन के लिए पेश किए गए नए नियमों का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा, वह (बृजभूषण सिंह) कह रहे हैं कि हमने ओलंपिक के लिए कुछ नियम बनाए हैं और इसलिए ये एथलीट विरोध कर रहे हैं, सबसे पहले, यह ओलंपिक के बारे में नहीं है, यह यौन उत्पीड़न के खिलाफ है और अगर मैं ओलंपिक नियम के बारे में बात करता हूं, तो महासंघ ओलंपिक से आने वाले एथलीटों का ट्रायल लेंगे, जो भी वे चाहते हैं। पहलवान साक्षी मलिक ने कहा, हम पीएम मोदी से आग्रह करते हैं कि वह हमारे मन की बात सुनें।

पहलवान प्रदर्शन खत्म करें तो इस्तीफा दे दूंगा: बृजभूषण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मैं अपने पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं लेकिन इसके लिए पहलवानों को जंतर-मंतर से अपना प्रदर्शन खत्म करना होगा।बृजभूषण सिंह ने आगे कहा कि मैं किसी भी तरह की जांच के लिए तैयार हूं, मुझे सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली पुलिस पर भरोसा है। लेकिन मैं सांसद के पद से इस्तीफा क्यों दूं? उन्होंने कहा कि मैंने चयन करने को लेकर बने नियमों में बदलाव किया है, यही वजह है कि वो लोग आज मुझे टारगेट कर रहे हैं और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस प्रदर्शन की वजह से देश का नाम बहुत खराब हो चुका है. दुनिया में दो ही ऐसे देश हैं जहां खेलों में पूरी टीम जाती है, एक है भारत और दूसरा है अमेरिका, सरकार करोड़ों रुपये खेल पर खर्च करती है, भारत जो सुविधा अपने खिलाड़ी देता है वो दुनिया का कोई दूसरा देश नहीं देता, खासकर ओलंपिक में मेडल लाने के बाद जो सम्मान और पैसा भारत खिलाडियों को देता है वो और कोई देश नहीं देता है, भारत कभी कुश्ती में 20 स्थान पर था आज हमारे प्रयास की वजह से हम कभी दो नंबर तो कभी तीन नंबर तो कभी नंबर वन होते है, कुश्ती में भारत के ग्रोथ से विश्व भर के देश चकित हैं, पहलवानों के आगे बढ़ने के बाद मेरी भी प्रशंसा होती थी, लेकिन अब बदनामी हो रही है.।

बीजेपी का संकल्प, कर्नाटक हो नंबर-1: मोदी

» बजरंगबली की जय के साथ मोदी ने की भाषण की शुरुआत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मिशन कर्नाटक की जंग में फतह के लिए उतरी बीजेपी ने अपना चुनाव प्रचार और तेज कर दिया है। पीएम मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा समेत तमाम बड़े नेता लगातार कर्नाटक में रैलियां कर माहौल बना रहे हैं। इसी बीच, मोदी ने बुधवार को कर्नाटक में रैलियां की। मोदी कई मुद्दों को लेकर अपने विरोधियों पर निशाना साध रहे हैं। मोदी ने कांग्रेस द्वारा बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के दावे को लेकर भी कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है।

पीएम मोदी ने बुधवार को मुदबिदरी में एक जनसभा की। इस दौरान उन्होंने भारत माता की जय और बजरंग बली की जय का नारा लगाया। मोदी ने कहा कि मैं शान्ति और सद्भावना का सन्देश देने वाले सभी मठों, तीर्थंकरों और संतों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। आज जिस सबका साथ और सबका विकास का मंत्र लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं उसमें सभी संतों की ही प्रेरणा है। मोदी ने आगे कहा, इस देश के 140 करोड़ लोग ही हमारा रिमोट कंट्रोल हैं। 10 मई को मतदान का दिन है। बीजेपी का संकल्प है कर्नाटक को नंबर-1 बनाना है।

एटीएम बनाना चाहती है कांग्रेस

मोदी ने आगे कहा कि हमारा प्रयास है कि कर्नाटक औद्योगिक विकास में नंबर-1 बने, हमारी कोशिश है कि कर्नाटक कृषि विकास में नंबर-1 बने, हमारा लक्ष्य है कि कर्नाटक स्वास्थ्य और शिक्षा में नंबर-1 बने। कांग्रेस क्या चाहती है? कांग्रेस कर्नाटक को दिल्ली में जो उनका शाही परिवार बैठा है, उस परिवार का नंबर-1 एटीएम बनाना चाहती है। ये हमारा रोड मैप है, जबकि कांग्रेस आपका वोट इसलिए चाहती है क्योंकि वो बीजेपी की योजनाओं को, यहां के लोगों के विकास के लिए हुए कामों को पलटना चाहती है।

कैबिनेट सचिव का पैनल करेगा समलैंगिक जोड़ों की समस्याओं की निगरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समलैंगिकों के विवाह से जुड़ी एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि समलैंगिक जोड़ों के सामने आने वाली समस्याओं को लेकर एक पैनल का गठन होगा। यह पैनल कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में गठन किया जाएगा। मेहता ने याचिकाकर्ता से सुझाव देने के लिए भी कहा है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता अपना सुझाव दे सकते हैं ताकि समिति इस पर ध्यान दे सके। इससे पहले शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि समलैंगिक विवाह को वैध बनाना इतना आसान भी नहीं है, जितना कि यह दिखता है। इस मुद्दे पर कानून बनाने के लिए संसद के पास निर्विवाद रूप से विधायी शक्ति है। ऐसे में हमें इस विचार करना है कि हम इस दिशा में कितनी दूर तक जा सकते हैं।

सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि अगर समलैंगिक विवाह की अनुमति दी जाती है, तो इसके परिणामी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इसकी न्यायिक व्याख्या, विशेष विवाह अधिनियम, 1954 तक ही सीमित नहीं रहेगी।

फोटो: सुमित कुमार

निकाय चुनाव

स्मृति उपवन से निकाय चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियाँ रवाना हुईं। इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। महिला सरकारी कर्मी या महिला पुलिस को पर्दानशीनों का चेहरा देखने की अनुमति होगी।

उत्तर से लेकर दक्षिण तक वर्षा, गर्मी के तेवर पड़े ढीले

» कई जगहों के लिए यलो एलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देशभर के कई राज्यों में बीते दिनों हुई बारिश से मौसम सुहावना बना हुआ है। सुबह और शाम के वक्त मौसम में नमी आई है। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक देश के कई राज्यों में मौसम ऐसा ही रहेगा।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में हवा की गति 30-40 किमी प्रति घंटे रहने की संभावना है और कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि दो दिन बाद बारिश में काफी कमी आने की संभावना है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का मौसम अच्छा रहा है। बुधवार के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि बुधवार को भी बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने और हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने की संभावना है। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। वहीं उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी के आसार हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।